पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali

Prof. (Dr.) Sadhvi Devpriya
Head - Department of Philosophy
Dean - Faculty of Humanities & Ancient Studies

उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा पारित पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 4, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित
Established by Uttarakhand State Legislature Under the University of Patanjali Act No. 4, Year 2006

पत्रांक (Ref.) : UOP/Dean/HANS/2024/58 दिनांक (Date) : 02-12-2024

सेवा में,
प्रति कुलपति महोदय,
पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

विषय: 6 जनवरी 2025 को श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती मनाने के सन्दर्भ में।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय, श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम के आयोजन हेतु आपकी स्वीकृति का अभिलाषी है।

कृप्या अनुमति प्रदान कर कृतार्थ करें।

सधन्यवाद।

अवश्य। उत्तम प्रस्ताव है।
03/12/2024
प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल
प्रति-कुलपति
पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय
UOP/AB-01 (03/12/2024)

भवदीया,

देवप्रिया

संकायाध्यक्षा,
मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकाय,
पतंजलि विश्वविद्यालय

डॉ० साध्वी देवप्रिया
संकायाध्यक्ष-मानविकी एवं प्राच्य विद्या अध्ययन
पतंजलि, विश्वविद्यालय, हरिद्वार

12

कार्यालय : पतंजलि विश्वविद्यालय, दिल्ली–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग, निकट बहादराबाद, हरिद्वार–249405, उत्तराखण्ड, भारत
Office : University of Patanjali, Delhi-Haridwar National Highway, Near Bahadrabad, Haridwar-249405, Uttarakhand, India
(मोबाइल) **Mobile** : +91-9997683730 (ई-मेल) **E-mail** : sadhvidevpriya@uop.edu.in (वैब) **Web.** : www.universityofpatanjali.com

मानविकी एवं प्राच्यविद्या संकाय के तत्त्वाधान में
अपार साहस, त्याग और वीरता के प्रतीक
संत सिपाही श्री गुरु गोविन्द सिंह जी की जयन्ती
पर
गुरु कृतज्ञता पर्व
06 जनवरी 2024
पतंजलि विश्वविद्यालय
हरिद्वार

अपार श्रद्धा, साहस, त्याग और वीरता के प्रतीक
संत सिपाही गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती
के
उपलक्ष्य में लोहड़ी पर्व
13 जनवरी 2025

दैनिक जागरण

8 दैनिक जागरण देहरादून/हरिद्वार, 15 जनवरी, 2025

गुरु गोविंद सिंह ने शिक्षा, परंपरा और धर्म का समन्वय करना सिखाया : आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि विवि में गुरु गोविंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में लोहड़ी पर्व का भव्य आयोजन

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: पतंजलि विश्वविद्यालय में गुरु गोविंद सिंह जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विवि के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह का जीवन हमें साहस, त्याग और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनकी विद्वता, विशेष रूप से संस्कृत और धर्मशास्त्र में उनकी गहरी समझ, भारतीय सनातन, संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर को समृद्ध करती है।

पतंजलि विवि में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद आचार्य बालकृष्ण • पतंजलि

उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह ने हमें शिक्षा, परंपरा, और धर्म का समन्वय करना सिखाया। ऐसे महान व्यक्तित्व हमारी संस्कृति और सभ्यता की आधारशिला हैं जो आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन देते रहेंगे। सभागार में उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा और नैतिक मूल्यों को अपनाएं, यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यवक्ता गुरु अंगद देव वेटेनरी एंड एनिमल साइंसेज यूनिवर्सिटी, लुधियाना के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हरप्रीत सिंह ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह ने सत्य, साहस और धर्म की रक्षा के लिए अपने जीवन को समर्पित किया। पंजाब एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के प्रो एग्रोनोमी डा. कुलवीर सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। गुरु गोविंद सिंह चेयर के अध्यक्ष प्रो (डा) जेएस संधु ने गुरु गोविंद सिंह के नाम पर स्थापित चेयर के कार्यकलापों और उद्देश्यों को सभागार में उपस्थित लोगों से साझा किया। कहा कि जल्द ही इस चेयर के अंतर्गत पीएचडी शोध कार्य शुरू किए जाएंगे। साथ ही, गुरु गोविंद सिंह के विचारों और जीवन दर्शन पर गहन विमर्श के लिए समय-समय पर संगोष्ठी और कार्यशाला भी आयोजित किए जाएंगे।. इस अवसर पर मानविकी एवं प्राच्य विद्या की संकायाध्यक्षा प्रो (डा) साध्वी देवप्रिया ने मंच पर उपस्थित अतिथियों को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो मयंक कुमार अग्रवाल ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन बहुआयामी था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी गुरु गोविंद सिंह के जीवन-दर्शन पर अपना विचार मंच से व्यक्त किया। इस अवसर पर शबद-कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ संस्थागत स्वर्ण शलाका प्रतियोगिता अंतर्गत शास्त्र स्मरण में 200 से अधिक प्रतिभागी को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशक डा सत्येंद्र मित्तल, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव, विश्वविद्यालय के कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव, योग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो ओमनारायण तिवारी, परीक्षा नियंत्रक डा एके. सिंह, प्राकृतिक चिकित्सा के संकायाध्यक्ष प्रो तोरण सिंह, संकायाध्यक्ष छात्र कल्याण डा विपिन दूबे एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन गुरमीत कौर ने किया।

18